



Mr.

15 Dec 2025

05:28 PM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 120568802

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 15/12/2025 : _____ जन्म तिथि _____ : 15/12/2025
 सोमवार : _____ दिन _____ : सोमवार
 घंटे 17:28:00 : _____ जन्म समय _____ : 17:28:00 घंटे
 घटी 25:53:29 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 25:53:29 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Delhi : _____ स्थान _____ : Delhi
 उत्तर 28:39:00 : _____ अक्षांश _____ : 28:39:00 उत्तर
 पूर्व 77:13:00 : _____ रेखांश _____ : 77:13:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:21:08 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:21:08 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 07:06:36 : _____ सूर्योदय _____ : 07:06:36
 17:26:13 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:26:13
 24:13:15 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:15
 मिथुन : _____ लग्न _____ : मिथुन
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 तुला : _____ राशि _____ : तुला
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शुक्र
 स्वाति : _____ नक्षत्र _____ : स्वाति
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 1 : _____ चरण _____ : 1
 अतिगण्ड : _____ योग _____ : अतिगण्ड
 बालव : _____ करण _____ : बालव
 रू-रूपेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : रू-रूपा
 धनु : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : धनु
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 महिष : _____ योनि _____ : महिष
 देव : _____ गण _____ : देव
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : अन्त्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मृग
 0 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 1



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मृगशिरा	3	00:57:59	मिथु			लग्न			मिथु	00:57:59	3	मृगशिरा
ज्येष्ठा	4	29:32:22	वृश्चि			सूर्य			वृश्चि	29:32:22	4	ज्येष्ठा
स्वाति	1	09:47:32	तुला			चंद्र			तुला	09:47:32	1	स्वाति
मूल	2	05:55:04	धनु	अ		मंगल	अ		धनु	05:55:04	2	मूल
अनुराधा	3	10:22:17	वृश्चि			बुध			वृश्चि	10:22:17	3	अनुराधा
पुनर्वसु	3	29:05:51	मिथु	व		गुरु	व		मिथु	29:05:51	3	पुनर्वसु
ज्येष्ठा	3	24:12:57	वृश्चि	अ		शुक्र	अ		वृश्चि	24:12:57	3	ज्येष्ठा
पूर्वाभाद्रपद	4	01:12:21	मीन			शनि			मीन	01:12:21	4	पूर्वाभाद्रपद
शतभिषा	4	18:40:26	कुंभ	व		राहु	व		कुंभ	18:40:26	4	शतभिषा
पूर्वाफाल्गुनी	2	18:40:26	सिंह	व		केतु	व		सिंह	18:40:26	2	पूर्वाफाल्गुनी
कृतिका	3	04:15:46	वृश्चि	व		मु			मिथु	00:57:59	3	मृगशिरा

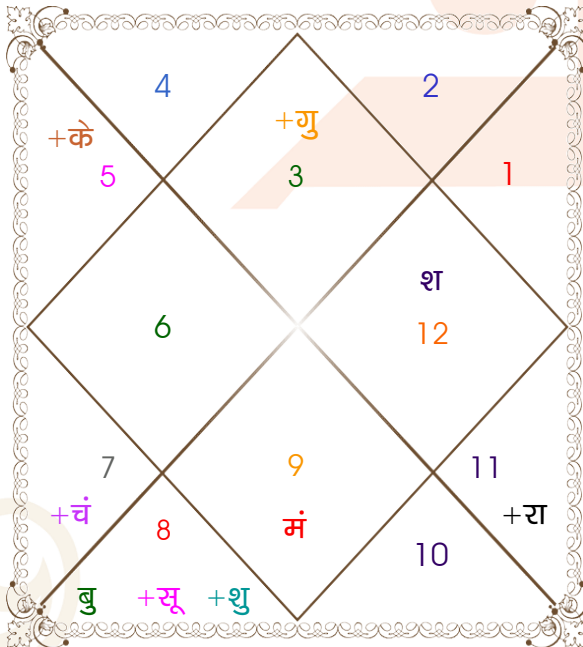
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

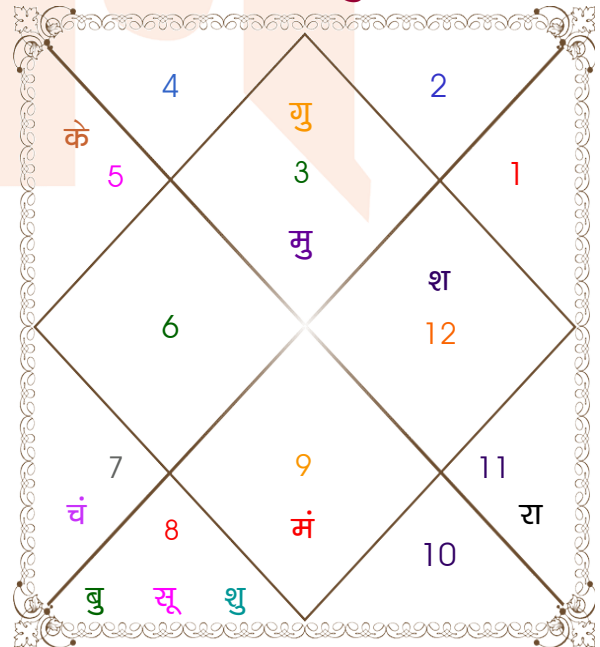
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:15

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - गुरु - शुक्र	राहु - गुरु - सूर्य	राहु - गुरु - चंद्र	राहु - गुरु - मंगल
15/12/2025 17:28	06/01/2026 19:34	19/02/2026 15:30	03/05/2026 16:42
06/01/2026 19:34	19/02/2026 15:30	03/05/2026 16:42	23/06/2026 19:56
00/00/0000 00:00	सूर्य 09/01/2026 00:10	चंद्र 25/02/2026 17:36	मंगल 06/05/2026 16:17
00/00/0000 00:00	चंद्र 12/01/2026 15:50	मंगल 01/03/2026 23:52	राहु 14/05/2026 08:22
00/00/0000 00:00	मंगल 15/01/2026 05:12	राहु 12/03/2026 22:51	गुरु 21/05/2026 04:00
00/00/0000 00:00	राहु 21/01/2026 18:59	गुरु 22/03/2026 16:36	शनि 29/05/2026 06:19
00/00/0000 00:00	गुरु 27/01/2026 15:14	शनि 03/04/2026 06:12	बुध 05/06/2026 12:10
00/00/0000 00:00	शनि 03/02/2026 13:47	बुध 13/04/2026 14:34	केतु 08/06/2026 11:46
15/12/2025 17:28	बुध 09/02/2026 18:49	केतु 17/04/2026 20:50	शुक्र 17/06/2026 00:18
बुध 29/12/2025 07:02	केतु 12/02/2026 08:10	शुक्र 30/04/2026 01:02	सूर्य 19/06/2026 13:40
केतु 06/01/2026 19:34	शुक्र 19/02/2026 15:30	सूर्य 03/05/2026 16:42	चंद्र 23/06/2026 19:56
राहु - गुरु - राहु	राहु - शनि - शनि	राहु - शनि - बुध	राहु - शनि - केतु
23/06/2026 19:56	02/11/2026 07:42	16/04/2027 03:21	10/09/2027 14:37
02/11/2026 07:42	16/04/2027 03:21	10/09/2027 14:37	10/11/2027 07:58
राहु 13/07/2026 13:18	शनि 28/11/2026 10:00	बुध 07/05/2027 00:45	केतु 14/09/2027 03:38
गुरु 31/07/2026 02:04	बुध 21/12/2026 18:23	केतु 15/05/2027 15:12	शुक्र 24/09/2027 06:32
शनि 20/08/2026 21:44	केतु 31/12/2026 09:08	शुक्र 09/06/2027 05:05	सूर्य 27/09/2027 07:24
बुध 08/09/2026 12:48	शुक्र 27/01/2027 20:25	सूर्य 16/06/2027 14:03	चंद्र 02/10/2027 08:50
केतु 16/09/2026 04:53	सूर्य 05/02/2027 02:12	चंद्र 28/06/2027 20:59	मंगल 05/10/2027 21:51
शुक्र 08/10/2026 02:50	चंद्र 18/02/2027 19:50	मंगल 07/07/2027 11:27	राहु 15/10/2027 00:27
सूर्य 14/10/2026 16:38	मंगल 28/02/2027 10:35	राहु 29/07/2027 14:20	गुरु 23/10/2027 02:46
चंद्र 25/10/2026 15:36	राहु 25/03/2027 03:56	गुरु 18/08/2027 06:14	शनि 01/11/2027 17:31
मंगल 02/11/2026 07:42	गुरु 16/04/2027 03:21	शनि 10/09/2027 14:37	बुध 10/11/2027 07:58
राहु - शनि - शुक्र	राहु - शनि - सूर्य	राहु - शनि - चंद्र	राहु - शनि - मंगल
10/11/2027 07:58	01/05/2028 19:49	22/06/2028 20:59	17/09/2028 14:54
01/05/2028 19:49	22/06/2028 20:59	17/09/2028 14:54	17/11/2028 08:15
शुक्र 09/12/2027 05:57	सूर्य 04/05/2028 10:17	चंद्र 30/06/2028 02:28	मंगल 21/09/2028 03:55
सूर्य 17/12/2027 22:08	चंद्र 08/05/2028 18:23	मंगल 05/07/2028 03:55	राहु 30/09/2028 06:31
चंद्र 01/01/2028 09:08	मंगल 11/05/2028 19:15	राहु 18/07/2028 04:12	गुरु 08/10/2028 08:50
मंगल 11/01/2028 12:01	राहु 19/05/2028 14:37	गुरु 29/07/2028 17:48	शनि 17/10/2028 23:35
राहु 06/02/2028 12:36	गुरु 26/05/2028 13:10	शनि 12/08/2028 11:26	बुध 26/10/2028 14:02
गुरु 29/02/2028 15:47	शनि 03/06/2028 18:57	बुध 24/08/2028 18:22	केतु 30/10/2028 03:03
शनि 28/03/2028 03:03	बुध 11/06/2028 03:55	केतु 29/08/2028 19:49	शुक्र 09/11/2028 05:56
बुध 21/04/2028 16:56	केतु 14/06/2028 04:47	शुक्र 13/09/2028 06:48	सूर्य 12/11/2028 06:48
केतु 01/05/2028 19:49	शुक्र 22/06/2028 20:59	सूर्य 17/09/2028 14:54	चंद्र 17/11/2028 08:15

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष मैं आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे तथा शान्ति एवं सन्तुष्टि का भाव मन में विद्यमान रहेगा। इस समय लेखन कार्य तथा शास्त्रों के अध्ययन में आपकी रुचि रहेगी तथा कई कलाओं के विषय में जानने को आप इच्छुक रहेंगे। इस समय आपका व्यवहार अन्य लोगों से अच्छा रहेगा तथा सबको प्रभावित करने में आप समर्थ रहेंगे। साथ ही प्रत्युत्तर देकर प्रतिवादी को भी आप शान्त एवं प्रभावित करने में आप सफल होंगे। शत्रुपक्ष इस समय आपसे भयभीत तथा चिन्तित रहेगा एवं उन पर विजय प्राप्त करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। गणित या ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में इस समय आप कोई विशिष्ट उपलब्धि अर्जित कर सकते हैं।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा तथा इसमें आपको इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही प्रचुर मात्रा में लाभार्जन भी होगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश की अभिवृद्धि होगी एवं सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे। इस समय राजनैतिक लोगों या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। आर्थिक स्थिति भी आपकी इस समय सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होगा तथा समस्त सुख संसाधनों को उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक यह वर्ष व्यतीत करेंगे।



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

_*__**_****

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्यमान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे, व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबंधी कार्यों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यों में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही वाहन संबंधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकांश समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।